इकाई-I

1. बरसते बादल

- सुमित्रानंदन पंत

प्रस्तावना प्रसंग–

प्रश्न

1. मीठे गीत कौन गाती है?
2. हमारे जीवन में पानी की आवश्यकता क्यों है?
3. मेघ हमें पानी किस प्रकार देते हैं?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

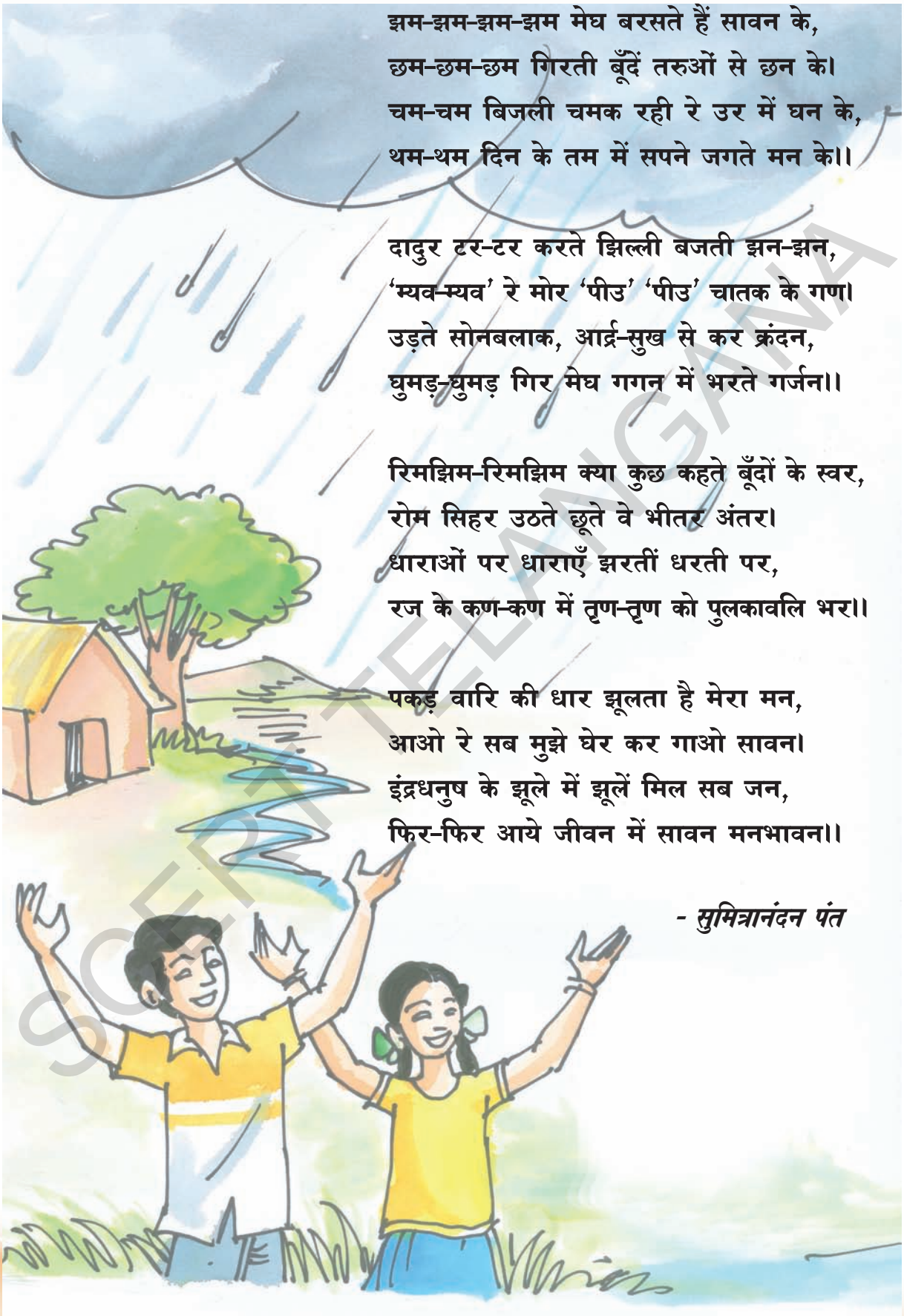

झम-झम-झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के।
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-थम दिन के तम में सपने जगते मन के।।

दादुर टर-टर करते झिल्ली बजती झन-झन,
'म्यव-म्यव' रे मोर 'पीउ' 'पीउ' चातक के गण।
उड़ते सोनबलाक, आर्द्र-सुख से कर क्रंदन,
घुमड़-घुमड़ गिर मेघ गगन में भरते गर्जन।।

रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर।
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण को पुलकावलि भर।।

पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेर कर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन।।

- सुमित्रानंदन पंत

SCERT TELANGANA

प्रश्न–अभ्यास

सुनिए-बोलिए

1. धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है। इस पर अपने विचार बताइए।
2. घने बादलों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
3. वर्षा ऋतु में नदियों के सौंदर्य पर अपने विचार बताइए।

पढ़िए

I. वाक्य सीधा कर के लिखिए।

1. हैं झम-झम बरसते झम-झम मेघ के सावन।
2. गगन में गर्जन घुमड़-घुमड़ गिर भरते मेघ।
3. धरती पर झरती धाराएँ पर धाराओं।

II. नीचे दिये गये भाव की पंक्तियाँ लिखिए।

1. बादलों के घोर अंधकार के बीच बिजली चमक रही है और मन दिन में ही सपने देखने लगा है।
2. मिट्टी के कण-कण से कोमल अंकुर फूट रहे हैं।
3. कवि चाहता है कि जीवन में सावन बार-बार आए और सब मिलकर झूलों में झूलें।

III. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बंद किए हैं बादल ने अंबर के दरवाजे सारे,
नहीं नजर आता है सूरज ना कहीं चाँद-सितारे,
ऐसा मौसम देखकर, चिड़ियों ने भी पंख पसारे,
हो प्रसन्न धरती के वासी, नभ की ओर निहारे।।

SCERT TELANGANA

1. इसमें अंबर के दरवाज़े बंद कर दिए हैं-

(अ) आकाश (आ) सूरज (इ) चाँद (ई) बादल

2. पंख किसने पसारे हैं?

(अ) चिड़िया (आ) मौसम (इ) धरती (ई) सितारे

3. पद्यांश में आया युग्म शब्द है-

(अ) बादल-अंबर (आ) सूरज-चाँद (इ) चाँद-सितारे (ई) धरती-वासी

4. धरती के लोग किस ओर निहार रहे हैं?

(अ) चिड़िया (आ) नभ (इ) बादल (ई) चाँद

5. पहले पढ़ी गई कविता व उपर्युक्त कविता का विषय है-

(अ) प्रकृति (आ) सूरज (इ) तारे (ई) अंबर

लिखिए

I. इन प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच पंक्तियों में लिखिए।

1. वर्षा के समय सबकी अनुभूति अलग-अलग होती है। बताइए आपकी अनुभूति कैसी होती है?
2. वर्षा के समय प्रकृति बहुत ही सुंदर दिखाई पड़ती है। इस समय मेघ, बिजली और बूँद की क्या विशेषता होती है?
3. वर्षा की बूँदें धरती का रूप बदल सकती हैं। कैसे?

II. इन प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए।

1. प्रायः सभी लोग सावन का बार-बार आना पसंद करते हैं। क्यों?
2. कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

I. इन शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

1. सावन

2. सपना

II. इन शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

1. गण

2. वारि

भाषा की बात

I. रेखांकित शब्दों के बीच का अंतर समझिए।

1. धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर।

2. इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन।

II. रेखांकित शब्द के वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

1. धाराएँ झरतीं धरती पर।

2. पकड़ वारि की धार झूलता है।

प्रशंसा

मेघों से बरसने वाली वर्षा की बूँदों से क्या लाभ हैं?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

मेघ की आत्मकथा लिखिए।

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

नीचे हिंदी महीनों के नाम दिये गये हैं। पता कीजिए कि किस महीने में किस तरह का मौसम होता है। उनके बारे में दो-दो वाक्य लिखिए।

हिंदी महीनों के नाम
1. चैत्र :
2. वैशाख :
3. ज्येष्ठ :
4. आषाढ़ :
5. सावन :
6. भाद्रपद :
7. अश्विनी :
8. कार्तिक :
9. मार्गशीर्ष :
10. पौष :
11. माघ :
12. फाल्गुन :

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के भाव के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। 2. पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ। 3. पाठ के शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में कर सकता/सकती हूँ। 4. कविता का रसास्वादन करते हुए गा सकता/सकती हूँ। 5. पाठ की अनुभूतियों को आत्मकथा के रूप में लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA